064

HD-03

June - Examination 2019

B.A. Pt. II Examination

हिंदी गद्य भाग – II (नाटक एवं अन्य गद्य विधाएँ)

Paper - HD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिजिए।

(i) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के नायक एवं खलनायक का नाम लिखिए।

(ii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध संग्रह का नाम लिखिए।

(iii) पाठ्यक्रम में निर्धारित रामविलास शर्मा के निबंध का नाम एवं प्रकार लिखिए।

(iv) हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा के चार खण्डों के नाम लिखिए।

(v) पाठ्यक्रम में निर्धारित यात्रावृत्त एवं उसके लेखक का नाम बताइए।

(vi) 'भोलाराम का जीव' किस विधा की रचना है तथा उसके लेखक का नाम लिखिए।

(vii) 'महाभारत की एक साँझ' किस विधा की रचना है और उसके लेखक का नाम बताइए।

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) नाटक एवं एकांकी में तात्विक अंतर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3) 'उत्साह' निबंध में लेखक का मंतव्य स्पष्ट कीजिए।

4) महादेवी वर्मा कृत 'घीसा' संस्मरण के आधारपर घीसा की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5) सप्रंसग व्याख्या कीजिए।

मनुष्य को सुख कैसे मिलेगा? बड़े–बड़े नेता कहते हैं. वस्तुओं की कमी है, और मशीन बैठाओ, और उत्पादन बढ़ाओ, और धन की वृद्धि करो और बाह्य उपकरणों की ताकत बढ़ाओ। एक बूढ़ा कहता था– बाहर नहीं, भीतर की ओर देखो। हिंसा को मन से दूर करो, मिथ्या को हटाओ, क्रोध और द्वेष को दूर करो, लोक के लिए कष्ट सहो, आराम की बात मत सोचो, प्रेम की बात सोचो, आत्म तोषण की बात सोचो, काम करने की बात सोचो। उसने कहा प्रेम ही बड़ी चीज है, क्योंकि वह हमारे भीतर है।

6) सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

जिस आयुविहीन प्रदेश में उखड़ी हुई सांसों पर बंधन हो – अर्गला हो, वहां रहते–रहते यह जीवन असह्य हो गया था। तो भी मरूंगी नहीं। संसार के कुछ दिन विधाता के विधान में अपने लिए सुरक्षित करा लूंगी। कुमार! तुमने वही किया, जिसे में बचाती रही। तुम्हारे उपकार और स्नेह की वर्षा से मैं भीगी जा रही हूँ। ओह! इस वक्षस्थल में दो हृदय हैं क्या? अब अंतरंग 'हाँ' करना चाहता है, जब ऊपरी मन 'ना' क्यों कह देता है?

7) 'अदम्य जीवन' नामक रिपोर्ताज का विवरण अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

8) 'भोलाराम का जीव' में लेखक ने सरकारी दफ्तरो में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर तीखा व्यंग्य किया है–स्पष्ट कीजिए।

9) 'महाभारत की एक साँझ' की रंगमंचीय प्रस्तुति अथवा परिकल्पना पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – स **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध का सार लिखते हुए हजारीप्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली पर प्रकाश डालिए।

11) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' नामक आत्मकथा से पाठ्यप्रक में निर्धारित अंश के आधार पर लेखक की आपबीती का सविस्तार वर्णन कीजिए।

12) 'कलम का सिपाही' नामक जीवनी से पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश के आधार पर प्रेमचंद के जन्म एवं मृत्यु संबंधी विवरण का विश्लेषण कीजिए।

13) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए (250 शब्दों में)

क) ध्रुवस्वामिनी का चरित्र चित्रण

ख) जयशंकर प्रसाद की नाट्य शैली

ग) निबंध के विभिन्न प्रकार

घ) आलोचना का अर्थ एवं स्वरूप

———